आधी हकीकत रिश्तों की फजीहत -7

“मेरी सहेली अपने भाई से चुदी, मुझे अपने भाई से चुदवाया, जब वो पढ़ने बाहर गया तो मेरी सहेली ने बॉयफ्रेंड बना लिया, वो उसके साथ मस्त हो गई, मैं तन्हा रह गई. ...”

Story By: Sandeep Sahu (ssahu9056)
Posted: गुरूवार, मई 18th, 2017
Categories: जवान लड़की
Online version: आधी हकीकत रिश्तों की फजीहत -7

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आधी हकीकत रिश्तों की फजीहत -7

नमस्कार दोस्तो, आप सभी के मेल मुझे मिल रहे हैं, सभी का जवाब दे पाना मेरे लिए सम्भव नहीं है।
कुछ लोगों ने मुझसे पूछा है कि क्या यह मेरी सच्ची सेक्स स्टोरी है.. तो मैं सबको बता दूँ कि कहानी लिखने के लिए बहुत से उलटफेर करने पड़ते हैं तब कहीं जाकर कहानी में रस आता है लेकिन मेरी कहानी में मेरे जीवन के बहुत से पल सम्मिलित हैं, कुछ हुबहू हैं तो कुछ तोड़ मरोड़ कर!
खैर जो भी हो आप कहानी का आनन्द लीजिए।

स्वाति मुझे अपनी आप बीती सुना रही है, स्वाति पढ़ रही थी जब उसने अपना कौमार्य लुटाया था। सैम रेशमा और स्वाति इन तीन नामों के बीच ही अभी तक स्वाति की कहानी घूम रही थी, पहले सैम और रेशमा में सैक्स सम्बन्ध बने, फिर स्वाति ने खुद को सैम के हवाले किया, और जब भी मौका मिलता था सैक्स मिलन होता रहा।

लेकिन सैम इस बार बारहवीं की परीक्षा देते ही इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए पुणे चला गया, मैंने अपने आप को बहुत अकेला महसूस किया और फिर तन को जो आदत लग चुकी थीं सो अलग... अभी मैं रेशमा के साथ ही रहती थी इसलिए कुछ तकलीफ कम हो जाती थी.. सैम के जाने के बाद मैंने किसी की ओर आँख उठा के नहीं देखा।
लेकिन परीक्षा हुये, सैम को गये एक महीना भी नहीं हुआ था कि रेशमा ने हमारे ही क्लास के एक लड़के को बायफ्रेंड बना लिया.. अब वह ज्यादातर वक्त उसी के साथ गुजारने लगी और मैं खुद को बहुत ज्यादा तन्हा महसूस करने लगी।

खैर मैंने पेटिंग सीखने और घरेलू कामों में अपना मन लगाया, रेशमा और उसका बायफ्रेंड सुधीर क्या करते थे, कहाँ जाते थे, मैं सब जानती थी। वो लोग कभी कभी मुझे भी साथ

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

घुमाने ले जाते थे।

ऐसे ही स्कूल खुलने के दिन आ गये, मैं अपनी स्कूटी से स्कूल जाने लगी, स्कूल के पंद्रह दिन ही हुए थे कि रेशमा के पापा का ट्रांसफर हो गया और रेशमा को दूसरे शहर जाना पड़ा, अब मैं बिल्कुल अकेली हो गई.. और अब सुधीर भी अकेला हो गया।

वैसे सुधीर अच्छा लड़का था, रेशमा से पहले और किसी लड़की का नाम मैंने उसकी जिन्दगी में नहीं सुना था।

एक दिन मैं गार्डन के पास एक बेंच पर अकेले उदास बैठी थी.. मेरी नजरें एक टक जमीन को ही देख रही थी.. पता नहीं मैं वहाँ कितनी देर से बैठी थी, शायद घंटा भर तो हो ही गया रहा होगा, और यह बात मुझे तब पता चली जब सुधीर ने मेरे कंधे पर हाथ रखा और कहा- स्वाति, अब शाम हो गई है, तुम्हें घर जाना चाहिए..

मैंने चौंक कर उसकी तरफ देखा और कहा- नहीं, मैं तो अभी आई हूँ!
तो सुधीर ने हंसते हुए कहा- करीब आधे घंटे से तो मैं खुद तुम्हारे पास वाली बेंच पर बैठा हूँ, मैं सोच रहा था कि तुम खुद मुझे देख लोगी, पर ऐसा नहीं हुआ तो मुझे तुम्हारे पास आना पड़ा।
और उसने गंभीरता से कहा- स्वाति तुम परेशान हो क्या?
मैंने ना में सर हिलाया।

पर सुधीर ने मेरा चेहरा पढ़ लिया- स्वाति, तुम जिस वजह से परेशान हो, मैं भी उसी वजह से परेशान रहता हूँ, पर जिन्दगी तो किसी के लिए किसी परेशानी की वजह से नहीं रुकती, बल्कि हमें उससे लड़ कर आगे निकलना पड़ता है… नहीं तो उसी में उलझ कर दम निकल जाता है..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसकी गंभीर बातों का जवाब अपनी भर आई आँखों से दिया..

उसने फिर कहा- यह मैं नहीं कह सकता कि सैम ने तुम्हारे साथ और रेशमा ने मेरे साथ अच्छा किया या बुरा, लेकिन इतना जरूर कहूँगा कि वक्त ने हमारे सामने ऐसे हालात पैदा करके हमें बड़ा जरूर बना दिया है।

मैं उसकी बातों में खोई हुई थी, तभी उसने कहा- चलो, मैं तुम्हें घर छोड़ दूँ!
तो मैंने अपनी स्कूटी दिखाते हुए कहा- मैं चली जाऊँगी!
और वहाँ से निकल कर मैं रास्ते भर और घर में भी यही सोचती रही कि सुधीर ने जो बातें कहीं, उनके मतलब क्या थे.. क्योंकि मैं छोटी थी इसलिए मतलब तो नहीं समझी पर सुधीर समझदार है, इतना तो मैं समझ गई।
अब आगे से मैं सुधीर के साथ भी वक्त गुजारने लगी.. हम रोज नहीं मिलते थे पर कभी-कभी हम आपस में सुख दुख बांट लिया करते थे।

ऐसे ही एक दिन पुरानी बातें करते करते मैं रो पड़ी और सुधीर के सीने में सर रख लिया..
शाम का वक्त था अंधेरे और उजाले के बीच का फर्क मिट गया था, लालिमा मद्धम रोशनी ऐसे लग रही थी मानो किसी ने रोमांस के लिए डेकोरेशन किया हो..
मैं सुधीर से लिपटी रही पर सुधीर ने मुझे टच तक नहीं किया..

मुझे रोते रोते अहसास हुआ कि मैं सुधीर के सीने से बहुत देर से चिपकी हुई हूँ.. तो मैं अपने आंसू पौंछते हुए सुधीर से अलग हुई.. और सॉरी कहकर घर आ गई।
सुधीर ने सॉरी का जवाब दिया या नहीं मुझे नहीं पता..
मैं तो अभी भी सैम की यादों में खोई हुई थी.. पर जब मैं अपने इस हाल से उबर गई तब मुझे अहसास हुआ कि सुधीर चाहता तो मुझे उस समय कहीं भी टच कर सकता था, सहला सकता था या और कुछ कर सकता था, पर उसने मुझे छुआ तक नहीं.. अब मैं उसकी इस शराफत की कायल होने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अगले दिन सुधीर मुझे स्कूल में नजर नहीं आया, मैंने इस बात को साधारण बात समझी.. लेकिन वह एक हफ्ते स्कूल नहीं आया.. तब मैंने उसके एक खास दोस्त को पेड़ के नीचे पार्किंग में देखा और उससे पूछा- सुधीर स्कूल क्यों नहीं आ रहा है ?

तब उसने मुझे एक चिट्ठी थमा दी और कहा- सुधीर ने तुम्हें देने को कहा था।
मैंने कहा- तो तुमने मुझे पहले क्यों नहीं दे दी ?
तो उसने कहा- सुधीर ने कहा था कि जब स्वाति खुद आकर मेरे बारे में पूछे तभी यह चिट्ठी उसे देना, और जब तक ना पूछे इसे अपने पास ही रखना..

वो चला गया और मैं वहीं खड़ी रही.. मेरी आँखों से आँसू की मोटी धार बह निकली, मैंने ऐसे ही रोते हुए उसकी चिट्ठी व्याकुलता के साथ खोली, मुझे अक्षर धुंधले नजर आ रहे थे क्योंकि आंसुओं की वजह से मुझे साफ नजर नहीं आ रहा था, फिर भी मैं पढ़ने की कोशिश करने लगी.. और चिट्ठी को सीने से लगाकर रोने लगी.. मुझे नहीं पता कि मैं क्यों रो रही थी.. मुझे किसी ने कुछ कहा भी नहीं था, ना ही सुधीर से कोई बात हुई थी।

मुझे आज समझ आता है वही सच्चा प्यार था.. जो बिना 'आई लव यू' कहे बिना इजहार के और बिना सेक्स के हो गया था।
मैं मन ही मन सुधीर को चाहने लगी थी.. पर सुधीर के मन में क्या है, यह मैं नहीं जानती थी।

अब मैंने अपना दुपट्टा उठाया आँसू पौंछे और चिट्ठी पढ़ने लगी.. चिट्ठी की पहली लाईन पढ़ कर ही मैं चौंक उठी.. डीयर स्वाति तुम रोना मत.. तुम बहुत भावुक हो इसलिए मुझे यह बात चिट्ठी के सहारे करनी पड़ रही है।
मैं यह सोच कर कि कोई मुझे इतने अच्छे से समझता है मैं और जोरों से रो पड़ी !

आगे लिखा था- तुम चिट्ठी पढ़ रही हो इसका मतलब तुमने मेरी तलाश की, मेरे लिए

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तुम्हारे दिल में इतनी ही जगह काफी है.. मैं तुम्हें बहुत प्यार करने लगा हूँ.. हाँ मैं रेशमा से भी बहुत प्यार करता था, पर वो छोड़ कर चली गई, उसके जाने के बाद मैं टूट सा गया था पर तुम्हारे साथ वक्त बिता कर मन को हल्का लगता था, पर मैं तुमसे निश्छल दोस्ती निभा रहा था, मेरा यकीन करो मैं खुद नहीं जानता कि मेरे मन में कब तुमसे प्रेम करने के विचार ने घर कर लिया.. मैं तुम्हारी सादगी, सौंदर्य और विचारों का पहले से कायल था पर तुम मेरी प्रियसी बनो, यह मैंने ख्वाबों में भी नहीं सोचा था, अब अगर मैं तुम्हारे सामने या पास रहा तो कभी भी तुमसे इजहार कर बैठूंगा और तुम मुझे मौके का फायदा उठाने वाला लड़का समझ बैठोगी, इसलिए मैं अपने मामा के यहाँ आ गया हूँ और मैं यहीं पढ़ाई करुंगा, अब मेरी जिन्दगी में कोई नहीं आयेगी.. तुमने मुझे अच्छा दोस्त समझा पर मेरे मन में तुम्हारे लिए पाप उमड़ा उसके लिए माफी चाहता हूँ। तुम अपनी जिंदगी में हमेशा खुश रहना, तुम्हारा सुधीर !

मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई.. क्या लड़के भी इतने ईमानदार हो सकते हैं.. क्या सैम भी मुझे इतना ही समझता रहा होगा.. क्या यह मुझसे सच में प्यार करता है, मैंने सच्चा प्यार खो दिया या पा लिया…
यही सब सोच-सोच कर मेरा बुरा हाल था..

मैं घर आई और बिना खाए पिये अपने रूम में चली गई और सुधीर को 'अपने दिल की हालत कैसे बताऊँ' यह सोचने लगी।
फिर मैंने सोचा कि छुट्टियों में तो सुधीर घर आयेगा ही… तब मैं उससे सारी बात कर लूँगी।
लेकिन कब आयेगा, क्या बात होगी… यह कुछ पता ना था, और सबसे बड़ी बात तो यह थी कि इतना लंबा इंतजार मैं कैसे कर पाऊँगी और कहीं सुधीर की जिन्दगी में कोई आ गई तो मेरा क्या होगा ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर मैंने अपने आपको समझाते हुए सच्चा प्यार पाने के लिए कठोर तप करने का निर्णय लिया और उसके खत का बिना जवाब दिये मैं स्वयं विरह अग्नि में जलने लगी, मैं चाहती तो उसका कान्टेक्ट नं. आसानी से पा सकती थी पर मैंने जान बूझ कर दूरी बनाये रखी। हालांकि मेरे तन की जरूरत ने कई बार मुझे कमजोर किया पर मैं उंगली केला गाजर या मोमबत्ती घुसा कर अपने आप को शांत कर लेती थी।

मेरी दो ही महीने की तपस्या ने रंग दिखाया और सुधीर से मुलाकात के ठीक 65वें दिन से चार दिनों की तीज पर्व की छुट्टी में घर आ रहा था।

मैंने उसके दोस्त को पहले ही कह रखा था कि उसके आने की खबर मुझे जरूर देना, उसने मुझे तीन दिन पहले ही सूचना दे दी..ये तीन दिन 'मैं उससे कैसे मिलूँगी, क्या कहूँगी, कहाँ मिलूँगी' सोचने में निकल गये।

मैं बहुत खुश थी, मैंने अपना ड्रेस कई बार बदला होगा, खाने पीने का ख्याल ही नहीं रहता था और मैं बार बार तैयार होती और आईने को देखती थी।

इस बार छुट्टियों में किमी दीदी और भैया नहीं आने वाले थे, तो मेरी हरकत पर गौर करने वाली मेरी मम्मी बची और वो भी तीज मनाने अपने मायके चली गई थी, उन्होंने मुझे भी चलने को कहा पर मैंने मना कर दिया क्योंकि मुझे तो सुधीर से मिलना था।

आखिर मेरी जिन्दगी का सबसे हंसीन पल आने ही वाला है।

मैंने पापा को खाना खिला कर आफिस के लिए विदा किया और बहुत सोच कर काले रंग के शर्ट के साथ सफेद लैगिंग्स और सफेद दुपट्टा डाल लिया और अपना बैग और चाबी उठा कर मैं सुधीर के घर जाने के लिए घर में लॉक करने ही वाली थी कि मुझे अपने सामने सुधीर खड़ा दिखा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुझे लगा कि मैं स्वपन देख रही हूँ और मैं बुत बनी स्तब्ध खड़ी रही।

सुधीर पास आया, दरवाजा खोला और मेरा हाथ पकड़ कर घर के अंदर ले गया, मैं तो काठ की गुड़िया हो गई थी, मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था..
तभी सुधीर ने मुझे आवाज दी और कंधे से पकड़ कर हिलाया, मैं चौंकी और रो पड़ी और अचानक ही मैंने बहुत जोर का तमाचा सुधीर को मारा…
और मारती ही रही…

कहानी जारी रहेगी..
आप अपनी राय इस पते पर दे सकते हैं..
ssahu9056@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Video Scandals

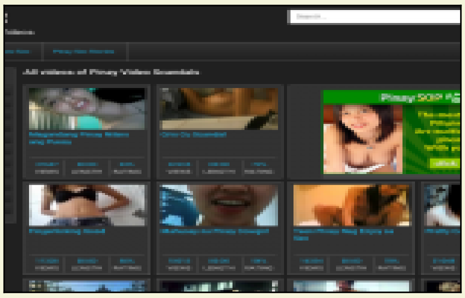

Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Delhi Sex Chat

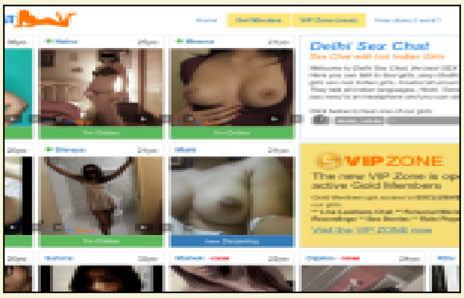

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Indian Sex Stories

The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Urdu Sex Stories

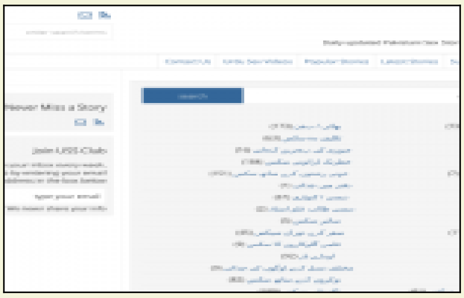

Daily updated Pakistani Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire